

रोप-वे, ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे और राजमार्गों के विकास में केन्द्र सहयोग करेगा : दिया कुमारी

जयपुरा उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान में राजमार्गों के विकास के लिए उनके द्वारा दिये गये निरन्तर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। पिछले दस साल में केन्द्र सरकार ने राजस्थान में सड़क तंत्र को मजबूत करने के लिए लाभार्थ एक लाख करोड़ के कार्यों को स्वीकृत किया है।

दिया कुमारी ने उन्हें आभार प्रदर्शित किया कि राज्य में सड़क तंत्र को मजबूत करने के लिए स्वीकृत की गई विभिन्न योजनाओं को समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए एक्सप्रेस हाइवे संभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने राजस्थान को

सेन्ट्रल रोड तथा इंफ्रास्ट्रक्चर फंड-सीआरआईएफ से ज्यादा सड़कें स्वीकृत करने की भी मांग की।

राजस्थान से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मांग की कि बृज-चौरासी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर विकसित किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार की 'पवंतमाला योजना' के अंतर्गत राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा धार्मिक और पर्यटन महत्व के स्थानों पर रोपवे के निर्माण की स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा जारी करने की मांग की।

उन्होंने राज्य में बनने वाले 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण की

■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से की मुलाकात

स्वीकृति भी केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी किये जाने का अनुरोध किया। दिया कुमारी ने बताया कि राजस्थान में बनने वाले नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे में से जयपुर-किशनगढ़-जोधपुर प्रोजेक्ट की डीपीआर एनएचआईडी को भिजवा दी गयी है तथा बाकी आठ एक्सप्रेस-वे का कार्य की स्वीकृति के लिए भी केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से

अनुरोध किया गया है। गडकरी ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को कहा कि राजस्थान में राजमार्गों के विकास के लिए 8322 करोड़ रुपये का प्लान है तथा जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कार्यों की भी स्वीकृति प्रदान की जायेगी। उन्होंने दिल्ली-जयपुर-किशनगढ़ मार्ग पर कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए भी ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया।

दिया कुमारी ने गडकरी से मुलाकात के दौरान बड़ौदामेव-कुम्हेर-नदबई-भरतपुर हाईवे, मथुरा से नदबई होते हुए जयपुर-आगरा रोड से जोड़ने के लिए लिंक हाईवे, दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे से बांदीकुई में प्रवेश तथा विकास के लिए कनेक्टिविटी सर्वे, जयपुर-किशनगढ़ परियोजना तथा

जयपुर-रिंगस मार्ग पर ब्लैक स्पाट सर्वे, जयपुर, उदयपुर तथा अजमेर में रिंग रोड के निर्माण, जोधपुर में फोर-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर निर्माण को शीघ्र पूरा करने तथा भरतपुर के सारस चौराहे, घना, सेवर मोड और शोशम तिराहे पर फ्लाईओवर निर्माण तथा मेडिकल कॉलेज, टेक्नोलॉजी पार्क तथा बरसो के पास अंडरपास और सर्विस रोड आदि मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की।

दिया कुमारी ने भरोसा जताया कि जिस तरह से केन्द्र सरकार ने राजस्थान में हाईवे निर्माण के लिए पिछले दस सालों में भरपूर मदद की है, उसी प्रकार राजस्थान की डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में भी आधारभूत ढाँचे के विकास के नये आयाम स्थापित होंगे।

राजस्थान में 4 लाख 80 हजार जल संरक्षण एवं जल संचयन संरचनाओं का निर्माण हुआ : राठौड़

जयपुरा राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि राजस्थान सहित देशभर में तेजी से भूजल स्तर गिरता जा रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण और भूजल स्तर को बढ़ाने की दिशा में सराहनीय कार्य करते हुए राजस्थान में 4 लाख 80 हजार तो देशभर में 98 लाख जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन संरचनाओं को निर्माण करवाया है। इतना ही नहीं, मोदी सरकार द्वारा राजस्थान सहित देश के 7 राज्यों के जल की कमी वाले 80 जिलों में भूजल प्रबंधन के लिए समुदाय आधारित योजनाओं तक को शुरू करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। राठौड़ द्वारा

■ सांसद मदन राठौड़ ने भूजल संरक्षण की दिशा में किए जा कार्यों को लेकर लगाए गए सवाल का जवाब

राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने दिया जवाब

देशभर में तेजी से गिरते भूजल स्तर के विषय पर लगाए गए सवाल के जवाब में जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने ये जानकारी दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से 2019 से देशभर में जल शक्ति अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत देश भर में वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाएं तैयार

करने जैसी विभिन्न गतिविधियों को चलाया जा रहा है। जल शक्ति अभियान 2024 के तहत राजस्थान के जल कमी वाले 10 जिलों सहित देशभर के 151 जिलों में विशेष रूप से जल संरक्षण के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण संबंधी मास्टर प्लान 2020 को राजस्थान सहित देशभर के लिए लागू किया गया। इसमें

देशभर में 185 बिलियन घन मीटर जल के लिए 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण को व्यापक रूपरेखा तैयार की गई है। वहीं केंद्रीय भूमि जल बोर्ड की ओर से राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर और सीकर सहित राजस्थान के चयनित जल कमी वाले जिलों में बांध, चेक बांध, एनीकट और तालाबों का पुनर्भरण और निर्माण करवाया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से मिशन अमृत सरोवर अभियान के तहत राजस्थान सहित देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल निकायों का विकास और पुनरुद्धार किया जा रहा है।

पेपर लीक मामले में आरोपी गिरफ्तार

जयपुरा स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियन्ता भर्ती परीक्षा वर्ष 2020 के पेपर लीक मामले में वांछित चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वी के सिंह ने बताया कि फरार वांछित कमलेश कुमार मीणा निवासी गोविंदगढ़ जिला जयपुर ग्रामीण को जयपुर के पानीपेच तिराहा जयपुर से गिरफ्तार किया गया।

■ केंद्र सरकार की सशस्त्र बल भर्ती-2023 में अभ्यर्थी हाइड कम नपाने को कोर्ट में चुनौती दी थी

जयपुरा राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार को सशस्त्र बल भर्ती-2023 में अभ्यर्थी को हाइड कम मापने के मामले में मौके पर ही संबंधित मशीन मंगाकर हाईकोर्ट के डॉक्टर से हाइड नपवा ली। हालांकि हाइड समान ही आने पर अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश मंजूर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में पैरामिलिट्री फोर्स के हाइड मापने के उपकरण को लाया गया। इस दौरान विभाग के असिस्टेंट कमांडेंट अनुपम सिंह, डिप्टी कमांडेंट यशवीर और डॉ. टीआर चौधरी पेश हुए। इस दौरान अदालत ने हाईकोर्ट स्थित

चिकित्सालय में तैनात डॉ. अजय पुरोहित को बुलाकर याचिकाकर्ता को हाइड नपाने को कहा। डॉक्टर की ओर से याचिकाकर्ता को हाइड 168.5 सेंटीमीटर होना बताया। इस पर अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उसकी हाइड में कोई अंतर नहीं आया है। दरअसल केन्द्र सरकार ने सशस्त्र बल के 26 हजार पदों पर गत वर्ष भर्ती निकाली थी जिसको

शारीरिक दक्षता परीक्षा गत माह अजमेर में आयोजित की गई। दक्षता परीक्षा में याचिकाकर्ता को कम हाइड होने का हवाला देते हुए बाहर कर दिया।

इस पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि दक्षता परीक्षा में उसकी हाइड को गलत तरीके से नापा गया है। ऐसे में मेडिकल बोर्ड के जरिए उसकी हाइड का पुनः परीक्षण कराया जाए। वहीं अदालत के सामने आया कि कम हाइड नपाने के कई प्रकार हाईकोर्ट आ चुके हैं। इस पर अदालत ने संबंधित उपकरण को हाईकोर्ट लाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अदालत ने मौके पर ही हाइड का परीक्षण कर याचिका को खारिज कर दिया।

विद्युत प्रसारण निगम में 94 अभियन्ताओं को पदोन्नति

जयपुरा राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के आधार पर 94 सहायक एवं कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) को पदोन्नत कर खाली पदों पर पदस्थापित किया गया है।

जिन अभियन्ताओं को अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत) के पद पर पदोन्नत किया गया है, उनमें अमर दत्त व्यास, राजेन्द्र प्रसाद आर्य, जगदेव सिंह, मानसिंह, कृष्ण मीणा, रामावतार मीणा, जी.एस. मेघवाल, डेडा राम, एल. के. सालवी, डी.एस. नागर, चौमा राम चौधरी, सावर मल शर्मा, शिवराज चौधरी, अशोक कुमार शर्मा, दिलीप सैनी, दीपक कुमार शर्मा, सुनील कुमार यादव, सोहन लाल सैनी, मनोज कुमार सैनी, कुसुमलता चौहान, राजवीर सिंह, नरेश सैनी, राजेश कुमार, राजेश जैन, अशोक कुमार पाण्डे, आनन्द कुमार लामोरीया, अमर चन्द सैनी, एल. आर. सिरवी, संध्या चौहान, राजेश कुमार सनेता, महावीर सिंह, सुरेन्द्र कुमार, शैलेश सैनी, अभय कुन्तल, हर्षभजन सिंह, प्रेम प्रकाश, भारत भूषण शर्मा, अश्वनी कुमार, निरंजिता गौड़, कृष्ण गोपाल, विजय बहादुर शामिल हैं।

केन्द्र ने जयपुर के लिए पर्यटन की दो योजनाएं स्वीकृत की

जयपुरा केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा भेजी गयी क्रारी 145 करोड़ की दो बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को इस संदर्भ में केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की थी। केन्द्रीय पर्यटन मंत्री ने इन कार्यों को शीघ्र स्वीकृति का भरोसा दिलाया था।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न पर्यटन केन्द्रों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूंजीगत व्यय की विशेष योजना के अंतर्गत आमेर और नाहरगढ़ के विकास के लिए 49.31 करोड़ और जल महल क्षेत्र के विकास के लिए 96.61 करोड़ रूही परियोजना को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बजट में जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के लिए 100 करोड़ की योजना की घोषणा की थी और उसके बाद से ही वे जल महल और आमेर-नाहरगढ़ के विकास के लिए रोप-वे तथा अन्य योजनाओं की केन्द्र द्वारा स्वीकृति के लिए प्रयासत थी।

दिया कुमारी ने केन्द्रीय वित्त मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन की सरकार का पूरा लाभ राजस्थान को मिल रहा है। उन्होंने आशी

मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का दायरा बढ़ेगा

जयपुरा राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का सुदृढीकरण करने के साथ ही इसका दायरा और बढ़ाया जाएगा। उपभार हेतु औषधियों का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को प्रबंध निदेशक आरएसएससीएल नेहा गिरि की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में आवश्यक दवा सूची में नवीन औषधियों को शामिल करने, पूर्व से उपलब्ध औषधियों की श्रेणी परिवर्तन किये जाने से संबंधित निर्णय लिये लिए गए। बैठक में विभिन्न रोगों के उपचार के लिए जरूरी दवाओं को आवश्यक दवा सूची में शामिल करने पर विचार किया गया। बैठक में उपस्थित चिकित्सा एवं फार्मा विशेषज्ञों ने दवाओं को उपलब्धता, आवश्यकता, आर्गुटी आदि के बारे में सुझाव दिए। गिरि ने बताया कि बैठक में 390 औषधियों का परीक्षण कर किया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में हुए निर्णयों के अनुरूप जल्द ही नवीन दवाओं को आवश्यक दवा सूची में शामिल किया जाएगा। इससे रोगियों को निरकट के चिकित्सा संस्थान पर अधिक से अधिक औषधियों उपलब्ध हो सकेंगी।

कुण्डली, हस्तरखा और कर्म की त्रिवेणी का संगम बने ज्योतिषि : देवनाजी

जयपुरा विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाजी ने कहा है कि ज्योतिषविद्या भारत में ही उत्पन्न हुई और यहीं से सम्पूर्ण विश्व में इस विद्या का प्रचार-प्रसार हुआ है। यह विद्या अपने आप में अत्यन्त ही है। इसके अध्ययन के लिए अन्य देश के लोग भारतीय विद्वानों से सम्पर्क करते हैं। यह भारत के लिए गौरव है। देवनाजी ने ज्योतिषियों का आह्वान किया है कि वे भारतीय समात संस्कृति के वाहक बनें। देवनाजी गुरुवार को यहां नारायण सिंह सर्किल स्थित इन्द्रलोक सभागार में सर्वशक्तिमान अन्तरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। देवनाजी ने स्वस्ति वाचन के गुंजायमान का शुभारम्भ किया। देवनाजी ने गृह नक्षत्रों की चाल से सटिक भविष्यवाणी करने वाले ज्योतिषियों को वंदन करते हुए कहा कि भारत में विकसित हुई गृह नक्षत्रों की गणना पश्चिम से ब्राह्मण की ग्रीन-नीति के साथ पंचांग की रचना विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। भारत के शून्य के अविष्कारक आर्यभट्ट जैसे विद्वान के द्वारा आर्यभट्टीयम के माध्यम से गणना सिखाई तो प्रखरत खगोलविद वराहमिहिर ने अपनी कृति सिद्धान्तपंचिका के माध्यम से कालगणना की विधि लोगों को सिखाई थी। इनके अलावा ब्रह्मगुप्त की कृति "ब्राह्मस्फुटसिद्धान्त", अल्स का "शियथोवृद्धि", श्रौतित का "सिद्धान्तशेखर", भास्कराचार्य का "सिद्धान्तसिमांण", गणेश का "ग्रहलाघव" तथा कमलाकर भट्ट का "सिद्धान्त-तत्व-विवेक" भारतीय ज्योतिष व गणित की असाधारण कृति हैं।

वीडियो कॉल से संवाद कर प्रमुख शासन सचिव ने बालोतरा जिले में की शुरुआत

नवाचार की शुरुआत बालोतरा जिले के जसोल क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर मूंगड़ा में वीडियो कॉल कर की। उन्होंने अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक, वारां जिले के अटरू, चूरू जिले के सरदार शहर, डींग जिले के नार एवं ब्यावर जिले के जैतारण ब्लॉक के चिकित्सा संस्थानों

में वीडियो कॉल कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। राठौड़ ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संवाद कर उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राठौड़ ने लाभाधिक्यों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं उपलब्धता के संबंध में फीडबैक भी लिया। आपएससीएल के प्रबंध निदेशक नेहा गिरि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक भारती दीक्षित, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्यरेंस एजेंसी की

मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी, निदेशक आईसी शहीन अली खान, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित अन्य निदेशक, स्टेट नोडल ऑफिसर, संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों सहित राज्य, संभाग एवं जिला स्तर के 100 से अधिक अधिकारियों ने दो घंटे में एक हजार से अधिक कॉल कर करीब 1 हजार चिकित्सा संस्थानों में सीधा संवाद किया।

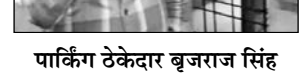
एस.एम.एस. अस्पताल प्रशासन ने एक करोड़ रु. की पार्किंग बिना किसी टैंडर चहते ठेकेदार को सौंपी!

सवाई मानसिंह अस्पताल के मुख्य भवन और धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग में कच्ची पर्चियों की आड़ में दुगुना पार्किंग शुल्क वसूल रहा ठेकेदार

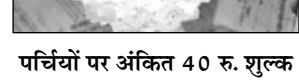
जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल की भूमिगत पार्किंग का ठेका जे.बी.एम. कंपनी से वापस लेकर चहती फर्म को सौंपने का बड़ा मामला सामने आया है। प्रतिवर्ष 1 करोड़ रु. का राजस्व देने वाली इस पार्किंग को अस्पताल प्रशासन ने बिना किसी टैंडर चहती फर्म मैसर्स ऋतुराज एसोसिएट्स के संचालक बृजराज सिंह को सौंप दिया। यह ठेकेदार सवाई मानसिंह अस्पताल के नाम की कच्ची पर्चियों की आड़ में आमजन से दुगुना पार्किंग शुल्क वसूल रहा है। पूरा प्रकरण उजागर होने के बावजूद चिकित्सा विभाग के अफसरों की चुप्पी कई बड़े सवाल खड़े कर रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सवाई मानसिंह अस्पताल के मुख्य भवन और धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग में इन दिनों दुपहिया वाहन चालकों से 20 रु. और चौपहिया वाहनों से 40 रु. का पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। जबकि पूर्व में यहां जिस जे.बी.एम. कंपनी के पास ठेका था, वह क्रमशः 10 रु. और 20 रु. शुरूआती 10 घंटे के लिए वसूलती थी।

सूत्रों की मानें तो सवाई मानसिंह अस्पताल को मुख्य भवन और धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग का संचालन इन दिनों मैसर्स ऋतुराज एसोसिएट्स फर्म के संचालक बृजराज सिंह द्वारा किया जा रहा है। गौर फरमाने वाली बात यह है कि, एस.एम.एस. अस्पताल की पार्किंग के टैंडर प्रक्रिया पर अदालत ने स्टेट दे रखा है। गत 2 वर्षों से इस भूमिगत पार्किंग का संचालन जे.बी.जे. कंपनी कर रही थी। परंतु गत 21 नवंबर को सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने इस कंपनी को पत्र लिखकर यह कहते हुए ठेका निरस्त कर दिया कि, अब इस पार्किंग को एस.एम.एस. अस्पताल प्रशासन के स्तर पर संचालित किया जायेगा। अधीक्षक सुशील भाटी के इस पत्र के बाद 22 नवंबर को जे.बी.जे. कंपनी ने पार्किंग का जिम्मा अस्पताल प्रशासन को सौंप



पार्किंग ठेकेदार बृजराज सिंह



पर्चियों पर अंकित 40 रु. शुल्क

■ पूर्व में अस्पताल की पार्किंग में जे.बी.एम. कंपनी द्वारा दुपहिया वाहनों से 10 रु. तथा चौपहिया वाहनों से 20 रु. शुल्क शुरूआती 10 घंटे के लिए लिया जाता था, अब नया ठेकेदार यह क्रमशः 20 और 40 रु. के हिसाब से राशि वसूल रहा है।

■ बड़ा सवाल यह है कि, जब एस.एम.एस. अस्पताल की पार्किंग की टैंडर प्रक्रिया पर हाईकोर्ट का स्टे है तो फिर आखिर चिकित्सा अधीक्षक ने आनन-फानन में जे.बी.एम. कंपनी से पार्किंग वापस लेकर बिना किसी टैंडर चहते मैसर्स ऋतुराज एसोसिएट्स फर्म के संचालक बृजराज सिंह को क्यों सौंपा

■ बताया जा रहा है कि सवाई मानसिंह अस्पताल व धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग के ठेके से हॉस्पिटल प्रशासन को सालाना करीब 1 करोड़ रु. का राजस्व मिलता था, लेकिन अब यह राशि प्राइवेट ठेकेदार की जेब में जा रही है।

दिया। मजेदार बात यह है कि हॉस्पिटल प्रशासन ने जे.बी.जे. कंपनी से यह पार्किंग लेते ही इसका संचालन आगे ही दिन प्राइवेट लोगों को सौंप दिया, अब यहां पर 10 व 20 रु. के शुल्क के बजाय 20 व 40 रु. की राशि वसूली जा रही है। ठेकेदार द्वारा लिए गए दुगुने शुल्क की कुछ पर्चियां गत 23 नवंबर को भी सामने आई थीं। ऐसे ही पर्चियां 28 नवंबर को भी सामने आयी हैं, जिसमें चौपहिया वाहनों से 40 रु. का शुल्क लिया जा रहा है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि पार्किंग शुल्क की "अवैध वसूली" का यह पूरा खेल सवाई मानसिंह अस्पताल के नाम पर कच्ची पर्चियों पर खेला जा रहा है। जबकि सवाई मानसिंह

मानसिंह अस्पताल की धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग का संचालन कर चुकी है। यहां तक कि उनके द्वारा नगर निगम के सचिव पार्किंगस्थल रामलीला मैदान का ठेका भी लिया गया था। ऐसे में सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर सीधा सवाल उठ रहा है कि, क्या उन्होंने दूसरे ठेकेदार को सालाना 1 करोड़ रु. का राजस्व देने वाली पार्किंग का ठेका बिना किसी टैंडर सौंप दिया है।

हालात ऐसे हैं कि अस्पताल प्रशासन ने ना तो कंप्यूटर जनित पर्चियों के लिए पॉस मशीनें दे रही हैं और ना ही निर्धारित शुल्क राशि के कोई बोर्ड पार्किंग स्थल पर लगा रखे हैं। इस वजह से आमजन को मजबूरन दुगुना शुल्क चुकाना पड़ रहा है।

सूत्रों की मानें तो सवाई मानसिंह अस्पताल की दोनों पार्किंग में प्रतिदिन करीब 500 चौपहिया और 1500 दुपहिया वाहन पार्क किए जाते हैं। इसमें से 300 चौपहिया और 500 दुपहिया वाहन अस्पताल प्रशासन के लिए निःशुल्क पार्किंग शामिल हैं। शेष वाहन मालिकों से प्रतिदिन करीब 50 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जाती है।

सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन ने "प्राइवेट लोगों" को पार्किंग का संचालन तो सौंप दिया, लेकिन वह कितनी राशि अस्पताल प्रशासन को जमा करवाएंगे, यह तय नहीं किया है। जबकि इससे पहले जे.बी.जे. कंपनी द्वारा प्रतिवर्ष करीब 1 करोड़ रु. अस्पताल प्रशासन को जमा करवाये जाते थे।

तीन वर्ष पूर्व यह दोनों ठेके 75 लाख रु. में इस कंपनी को दिए गए थे, सालाना 10 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ यह राशि बढ़कर 1 करोड़ रु. पहुंच गई थी। बताया जा रहा है कि शुरूआती 10 घंटे के लिए एएसएमएस अस्पताल की इस पार्किंग में साईकिल के लिए पांच रु., बाइक-स्कूटर के लिए 10 रु. और चौपहिया वाहन के लिए 20 रुपये तक है। इसके अलावा 24 घंटे के लिए एएसएमएस के लिए 10, बाइक-स्कूटर के लिए 20 और चौपहिया वाहन के लिए 40 रुपये तक है।

ऐसी छवि बनाएं कि लोग याद करते रहें : देवनाजी



विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनाजी ने सुरेश चन्द्र पारीक और जितेन्द्र सारवान को सेवानिवृत्त होने पर माला व साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिह्न भेंट किये।

जयपुरा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाजी ने कहा है कि अपने कर्म, व्यवहार, पहल, निष्ठा और ईमानदारी से ऐसी छवि बनाएं कि सेवानिवृत्त के पश्चात भी लोग याद करते रहें।

देवनाजी ने यह बात गुरुवार को यहां विधान सभा में सहायक सचिव सुरेश चन्द्र पारीक और जितेन्द्र सारवान को सेवानिवृत्ति पर आयोजित समारोह में कहा। देवनाजी ने दोनों अधिकारियों को माला व साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिह्न भेंट किये। देवनाजी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को तनाव नहीं रखना

चाहिए उन्होंने कहा कि समय से पहले और भाग्य से ज्यादा नहीं मिल सकता है। लम्बी अवधि की राज्य सेवा की स्मृतियों को स्मरण करने का यह दिवस यादगार होता है। साथी कर्मियों और परिवारजन को मिलकर इस दिवस को उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। देवनाजी ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद मानव सेवा का स्टार्टअप आरम्भ करें। जीवनभर सक्रिय बने रहने का प्रयास करें। अपने परिवारजन को विधानसभा, राजनैतिक आख्यान संग्रहालय और संविधान दीर्घा अवश्य दिखाएं। परिवारजन को भी यह

महसूस होना चाहिए कि उनके परिवार का सदस्य राजस्थान विधानसभा जैसे गरिमामय स्थल पर काम कर रहा है। उनके लिए भी यह गौरव की बात होगी। इस अवसर पर विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, उप सचिव संजीव शर्मा, वित्तीय सलाहकार अपूर्व जोशी, अधिकारी संघ के निदेशक लोकेश जैन और विधान सभा सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित अन्य पदाधिकारी तथा विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।